125 साल पुरानी पहचान पर संकट : बड़ा मिशन स्कूल में अव्यवस्था

जांच और वेतन कटौती से उठे गंभीर सवाल?

सिवनी नवभारत। शहर का ऐतिहासिक मिशन बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जिसे लोग बड़ा मिशन स्कूल के नाम से जानते हैं। आज अपनी 125 वर्षों की गौरवशाली विरासत के बावजूद गंभीर प्रशासनिक अस्थिरता के दौर से गुजर रहा है। कभी सिवनी की शैक्षणिक पहचान रहा यह संस्थान अब अस्थिरता, अव्यवस्था, प्रबंधन विवाद, जांच प्रक्रिया और मानदेय कटौती जैसे मुद्दों को लेकर चर्चा के केंद्र में है।

समिति गठन से उम्मीदें परिणाम शून्य?

वर्ष 2008 में न्यायालय के निर्देश पर तत्कालीन कलेक्टर पी. नरहरि द्वारा गठित अस्थायी शाला प्रबंधन समिति ने लंबे समय तक विद्यालय का संचालन संतुलित ढंग से किया। उस समय एसडीएम पदेन अध्यक्ष, जिला शिक्षा अधिकारी सचिव तथा वरिष्ठ शिक्षाविदों को समिति में शामिल किया गया था। सन् 2025 में वरिष्ठ सदस्यों के निधन के बाद कलेक्टर सुश्री संस्कृति जैन द्वारा नई समिति का गठन किया गया, जिसमें कलेक्टर चेयरमेन, एसडीएम अध्यक्ष, सहायक संचालक (जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय) सचिव तथा अन्य प्रशासनिक व शिक्षण प्रतिनिधि शामिल किए गए। परंतु नई समिति से जो अपेक्षाएँ थीं, वे धरातल पर पूरी होती नहीं दिखीं। बैठकें हुईं, किंतु न शिक्षकों की कमी दूर हुई, न आधारभूत सुविधाओं में सुधार, न ही प्रशासनिक स्थिरता स्थापित हो सकी।

अचानक जांच और प्राचार्य को हटाया

समिति की कार्यप्रणाली पर सवाल तब गहरे हुए जब समिति द्वारा नियुक्त प्राचार्य एवं कार्यालय प्रभारियों पर जांच बैठाकर उन्हें पद से हटा दिया गया। आरोप है कि उन्हें पूर्व परंपरा के अनुसार कार्य जारी रखने को कहा गया था, किंतु नए दिशा-निर्देश जारी नहीं किए गए।जांच के बाद हटाए गए प्राचार्य राबिन मसीह को हृदयघात होने की सूचना सामने आई, जिसके बाद वे चिकित्सीय अवकाश पर चले गए। हटाए गए शिक्षकों को अब तक यह स्पष्ट नहीं बताया गया कि आरोप सिद्ध हुए या नहीं। शिक्षक वर्ग का सवाल है कि यदि नए दिशा-निर्देश दिए ही नहीं गए, तो कार्यप्रणाली में त्रुटि का आधार क्या था।

महिला शिक्षिका का प्रकरण

प्रार्थना सभा के दौरान आपत्ति उठाए जाने की घटना में एक महिला शिक्षिका

(एम.एस. सिंह) को अकेले स्थिति का सामना करना पड़ा। आरोप है कि समिति का कोई सदस्य उनके समर्थन में सामने नहीं आया, जबकि विद्यालय में 125 वर्षों से प्रार्थना की परंपरा चली आ रही है। इस घटना से संबंधित शिक्षिका को मानसिक आघात पहुँचा।

शिक्षकों की कमी और निजी शिक्षकों पर भार

विद्यालय में शासकीय अनुदान प्राप्त शिक्षकों की संख्या घटकर केवल 4 रह गई है, जिनमें से एक शीघ्र सेवानिवृत्त होने वाले हैं। पूरा शैक्षणिक भार निजी शिक्षकों पर है, जिनकी नौकरी अस्थिर और वेतन न्यूनतम बताया जा रहा है। ग्रीष्मावकाश वेतन वर्षों से नहीं दिया गया। मध्य सत्र में प्राचार्य हटने के बाद वेतन भुगतान और प्रशासनिक कार्य और जटिल हो गए हैं। एक निजी शिक्षक को संचालन व लेखा दायित्व सौंपे जाने पर भी सवाल उठ रहे हैं, जबकि शासकीय अनुभवी शिक्षक उपलब्ध हैं।

कंप्यूटर शिक्षिका का मामला

दो वर्ष पूर्व नियुक्त एक कंप्यूटर शिक्षिका द्वारा विद्यालय कार्य हेतु स्वयं के खर्च से इंटरनेट भुगतान किए जाने की जानकारी सामने आई है। अब भुगतान पाने के लिए उन्हें आवेदन प्रक्रिया से गुजरना पड़ रहा है।

सवाल उठ रहा है। क्या समिति विद्यालय के दैनिक प्रशासनिक दायित्वों से विमुख हो चुकी है? ऐसी स्थिति में प्रश्न उठता है कि क्या विद्यालय के समग्र प्रशासनिक दायित्वों का निर्वहन संतुलित रूप से हो पा रहा है? बड़ा सवाल उठता है। क्या समिति छात्रहित और शिक्षकहित की रक्षा करने में विफल हो रही है?

क्या प्रशासनिक पुनर्गठन की आवश्यकता है? क्या शिक्षा विभाग को हस्तक्षेप कर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित करनी चाहिए? 125 वर्षों की ऐतिहासिक धरोहर आज अपने अस्तित्व और गरिमा की रक्षा की प्रतीक्षा कर रही है। शहरवासियों और अभिभावकों की निगाहें अब उच्च अधिकारियों पर टिकी हैं कि वे समय रहते हस्तक्षेप कर इस संस्थान को पुन: स्थिरता और सम्मान दिलाएँ।

प्रशासकीय नियंत्रक की भूमिका पर उठते प्रश्न

शाला प्रबंधन समिति में पदस्थ पूर्व प्राचार्य एस .के . जैन वर्तमान में प्रशासकीय नियंत्रक के रूप में कार्यरत हैं। इस पद के अंतर्गत उन्हें विद्यालय के प्रशासनिक एवं वित्तीय मामलों की निगरानी, शिक्षकों की नियुक्ति, वेतन एवं अन्य भुगतानों की देखरेख जैसे महत्वपूर्ण दायित्व सौंपे गए हैं। किन्तु आरोप है कि विगत कई महीनों से उन्होंने विद्यालय का नियमित निरीक्षण नहीं किया है। आधारभूत सुविधाओं, शिक्षकों की समस्याओं तथा छात्रहित से जुड़े मुद्दों पर उनकी सक्रियता दिखाई नहीं देती। इसके विपरीत, विद्यालय में हुई जांच प्रक्रियाओं एवं वेतन भुगतान संबंधी निर्णयों में उनकी सक्रिय भूमिका देखी जाती है। मानसेवी शिक्षकों का कहना है कि जब वे अपनी समस्याओं के समाधान हेतु उनसे संपर्क करते हैं, तो स्पष्ट मार्गदर्शन या सहयोग के स्थान पर उन्हें टालमटोल का सामना करना पड़ता है। शिक्षक वर्ग में यह धारणा बन रही है कि प्रशासकीय नियंत्रक की प्राथमिकता केवल वित्तीय प्रक्रियाओं तक सीमित है, जबकि शिक्षकहित एवं छात्रहित से जुड़े विषयों पर अपेक्षित संवेदनशीलता और पहल नहीं दिखाई दे रही।

बदहाल व्यवस्थाएं सुरक्षा और सुविधाएं नदारद

विद्यालय में हिंदी और अंग्रेजी माध्यम साथ संचालित हो रहे हैं, किंतु शौचालय जैसी मूलभूत सुविधाओं का अभाव बताया जा रहा है। वर्षों पुराना भवन जर्जर अवस्था में है जिसका जीर्णोद्धार भी नहीं किया जा रहा है। विद्यालय में न स्थायी चौकीदार है। लघु अवकाश में छात्र परिसर से बाहर जाते देखे जाते हैं। रात्रि में असामाजिक तत्वों की आवाजाही रहती है। ऐसे में सुरक्षा और अनुशासन पर प्रश्नचिन्ह खड़े हो रहे हैं। शाला मैदान में आये दिन क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित होते रहते हैं जिससे शाला का मुख्य द्वार खुला रहता है और छात्र-छात्राएं बेखौफ़ आते जाते रहते हैं और असामाजिक तत्वों द्वारा मयखाना बना दिया जाता है आए दिन हो रहे टूर्नामेंट की वजह से छात्र-छात्राओं की शिक्षा भी प्रभावित हो रही है।

अंजुम का वेतन विवाद

लगभग 13 वर्षों से सेवाएँ दे रहीं मानसेवी शिक्षिका स्व . ए .आर .खान की पुत्री गज़ाला अंजुम का मामला विशेष चर्चा में है।

अक्टूबर 2025 में सकल वेतन : 12,926
पीएफ कटौती के बाद प्राप्त : 11,375
दो माह (नवंबर-दिसंबर) की अपेक्षित देय राशि : 22,750
30 जनवरी 2026 को बैंक में जमा राशि- केवल 7,606
नवंबर : 3,803
दिसंबर : 3,803

वेतन कटौती का कोई लिखित कारण नहीं दिया गया। मौखिक रूप से अनुमोदन लंबित और रिकवरी बताया गया, जबकि दिसंबर 2023 में अनुमोदन की प्रति उपलब्ध होने का दावा किया गया है। गज़ाला अंजुम का कहना है कि उनसे कनिष्ठ शिक्षकों का वेतन यथावत है और 10 प्रतिशत वृद्धि भी दी गई, जबकि उनके साथ कटौती और वृद्धि न देना भेदभावपूर्ण प्रतीत होता है। वेतन रोके जाने से उन्हें आर्थिक संकट और ऋण लेने की स्थिति का सामना करना पड़ा। उनका कहना है की बिना लिखित कारण, बिना नोटिस और बिना सुनवाई के वेतन रोकना या रिकवरी करना कानूनन गलत माना जाता है। इस हेतु शिक्षका ने सी .एम .हेल्पलाइन का सहारा लिया है और सूचना के अधिकार अधिनियम के माध्यम से शाला प्रबंधन से न्याय मांगा है।

रूखड़ रेंज, पेंच टाइगर रिजर्व अमले ने अवैध शिकार के आरोपियों को पकड़ा

सिवनी नवभारत। रूखड़ रेंज अंतर्गत मोहगांव ग्राम में गश्त के दौरान रात में पेंच टाइगर रिजर्व अमले द्वारा क्षेत्र तलाशी के दौरान निजी स्वामित्व की भूमि पर उक्त भूमि पर सागौन (टीक) के वृक्ष पाये गये, किंतु कोई भी अन्य फसल उस भूमि पर नहीं थी जिसमें आरोपियों द्वारा 11 केवी विद्युत लाइन से अवैध रूप से तार जोड़कर वन्यप्राणियों के शिकार हेतु करंट प्रवाहित किया गया था। पास ही एक नर गौर आयु लगभग 13 -14 वर्ष मृत पाया गया। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए तत्काल विद्युत आपूर्ति बंद कराने

हेतु विद्युत विभाग संपर्क किया गया, किंतु विद्युत आपूर्ति तुरंत बंद न हो पाने से मौका स्थिति देखते हुए अपराधियों द्वारा लगाया गया विद्युत तार जिस से गौर की मृत्यु हुई, को सावधानी से निकाल दिया गया जिससे किसी भी प्रकार की जनहानि अथवा वन्यजीव हानि को रोका जा सका।

अपराधियों को पकड़ने के लिए वन अमले द्वारा टीम बनाकर क्षेत्र की घेराबंदी की गई, कुछ समय बाद अपराधी किनारे पर लगी जाली के छेद से अंदर आते दिखाई दिए जिन्हें वन अमले द्वारा घेर कर पकड़ लिया गया। अपराधियों ने अपना अपराध मौके पे स्वीकार किया और पास ही एक प्लास्टिक की बोरी भी जप्त कराई जो कि उनके द्वारा खूंटी और तार लाने में उपयोग की गई थी। मौके से अवैध विद्युत तार, कनेक्शन सामग्री एवं डॉग स्क्वायड की सहायता से आरोपियों के घर से अन्य संदिग्ध वस्तु जब्त की गई जो अपराध की पुष्टि करती हैं।

मृत गौर का निर्धारित गाइडलाइन अनुसार पोस्टमार्टम कर भस्मीकरण की कार्यवाही की गई । संबंधित व्यक्तियों के विरुद्ध वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के अंतर्गत प्रकरण पंजीबद्ध कर लिया गया है। प्रकरण की विस्तृत जांच जारी है।

यातायात पुलिस ने काटा चालान

सिवनी। यातायात पुलिसने वाहन क्रमांक सीजी10 बीडब्ल्यू 1808 को चेकिंग के दौरान रोकने पर वाहन के दस्तावेज चेक किए गए। चालक द्वारा भार संबंधी दस्तावेज न प्रस्तुत करने पर वाहन का तौल कांटा कराया गया जिसमें वहां में क्षमता से अधिक 7 टन अधिक माल होना पाया गया। जिस पर थाना प्रभारी यातायात द्वारा मोटर व्हीकल एक्ट के धारा 113 के प्रावधानों के तहत कार्यवाही करते हुए 17000 का जुर्माना किया।

छात्रों के साथ अभद्रता मामले में एनएसयूआई ने जताया विरोध

सिवनी नवभारत। पीएम श्री केंद्रीय विद्यालय सिवनी में 29 जनवरी को छात्रों के साथ कथित अमर्यादित व्यवहार की घटना के बाद एनएसयूआई द्वारा विरोध प्रदर्शन किया गया था। संगठन का आरोप है कि घटना के बावजूद अब तक जिम्मेदारों के विरुद्ध कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है।

एनएसयूआई जिला अध्यक्ष इंजीनियर धनंजय सिंह अपने साथियों के साथ विद्यालय पहुंचे थे। जब वे प्राचार्य कक्ष तक पहुंचने का प्रयास कर रहे थे, उसी दौरान विद्यालय का गेट बंद कर पुलिस द्वारा धनंजय सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों को बलपूर्वक हिरासत में ले लिया गया।

एनएसयूआई का कहना है कि विद्यालय में अंतिम दिवस के अवसर पर छात्र-छात्राएं स्मृतियों के लिए एक-दूसरे की टी-शर्ट पर नाम या संदेश लिखते हैं, जो सामान्य रूप से स्कूल एवं कॉलेजों में प्रचलित परंपरा है। संगठन के अनुसार इसी बात से नाराज होकर विद्यालय प्राचार्य द्वारा छात्रों को

टी-शर्ट उतारने के निर्देश दिए गए, जिनमें छात्राएं भी शामिल थीं। इसे संगठन ने छात्रों की गरिमा के विरुद्ध बताया।

घटना के बाद तत्काल प्रदर्शन किए जाने के बावजूद अब तक किसी प्रकार की प्रशासनिक कार्रवाई नहीं होने पर संगठन ने नाराजगी जताई है। हिरासत में लिए गए एनएसयूआई पदाधिकारियों को छुड़वाने के लिए प्रदेश महासचिव राजा बघेल, पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मोहन सिंह चंदेल, जिला पंचायत सदस्य नितिन डेहरिया, युवा नेता विपिन यादव, युवा कांग्रेस उपाध्यक्ष शक्ति सिंह जडेजा एवं राजेश मानाठाकुर डूंडासिवनी थाना पहुंचे थे। एनएसयूआई जिला अध्यक्ष धनंजय सिंह ने कहा कि यदि प्राचार्य के विरुद्ध शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो संगठन आगे भी आंदोलन करेगा।

एक नजर में

जुआ खेलते पांच लोग पकड़े गए

सिवनी। कोतवाली पुलिस ने जुआ सट्टा और अवैध गतिविधियों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए सूफी नगर गांधी वार्ड क्षेत्र में खुले स्थान पर जुआ खेल रहे पांच लोगों को पकड़ा है। पुलिस ने मौके से नकदी और ताश के पत्ते बरामद किए हैं। पुलिस के अनुसार 06 फरवरी 2026 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि सूफी नगर गांधी वार्ड में अशोक कबाड़ा के पास कुछ लोग रुपये पैसों का दांव लगाकर हार जीत का खेल खेल रहे हैं। सूचना के आधार पर कोतवाली पुलिस की टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और दबिश देकर जुआ फड़ से पांच लोगों को पकड़ लिया। पकड़े गए लोगों में फैजान खान, इस्माइल खान, रियाज खान, अतीक खान पिता लतीफ खान तथा अतीक खान पिता रफीक खान शामिल हैं। सभी आरोपी सिवनी शहर के अलग अलग वार्डों के निवासी बताए गए हैं। तलाशी के दौरान उनके पास से कुल 3250 रुपये नकद और 52 ताश के पत्ते बरामद किए गए। पुलिस ने जब्त सामग्री को विधिवत कब्जे में लेकर जुआ अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया है।

मांगों को लेकर शिक्षकों ने सौंपा ज्ञापन

सिवनी। आजाद अध्यापक शिक्षक संघ के तत्वावधान में रविवार को राशि लॉन, सिवनी में भव्य ज्ञापन रैली आयोजित की गई। कार्यक्रम की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष श्री कपिल बघेल ने की। रैली में जिले के आठों विकासखंडों से हजारों की संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं उपस्थित रहे, जिससे कार्यक्रम ऐतिहासिक रूप से सफल रहा। कार्यक्रम में विधायक दिनेश राय 'मुनमुन' मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। माननीय विधायक ने शिक्षकों की एकजुटता की सराहना की। इस अवसर पर शिक्षकों ने अपनी 21 सूत्री प्रमुख मांगों को लेकर कलेक्टर के माध्यम से माननीय मुख्यमंत्री महोदय के नाम ज्ञापन सौंपा। मांगों में आठवां वेतनमान, पुरानी पेंशन योजना की बहाली, क्रमोन्नति एवं समयमान वेतनमान प्रथम नियुक्ति दिनांक से, अतिथि व संविदा शिक्षकों को समान वेतन व सुविधाएं, कैशलेस चिकित्सा सुविधा, ई-अटेंडेंस प्रणाली पर तत्काल रोक, स्थानांतरण प्रतिबंध हटाना, लंबित एरियर्स का भुगतान, 65 वर्ष सेवानिवृत्ति आयु तथा विभागीय समायोजन प्रमुख रहे।

कोतवाली पुलिस ने दो चोरी की घटनाओं का किया खुलासा

सिवनी नवभारत। कोतवाली पुलिस ने चोरी की दो अलग अलग घटनाओं का खुलासा करते हुए तीन आरोपियों और एक विधि विवादित किशोर को पकड़ा है। पुलिस ने दोनों मामलों में चोरी गया सामान बरामद कर आरोपियों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई की है। मरझोर रोड स्थित पैराडाईस लॉन क्षेत्र में 02 फरवरी की रात एक आईसर ट्रक से बैटरी चोरी की गई थी। इस संबंध में 03 फरवरी को ट्रक मालिक प्रतुल अग्रवाल ने थाना कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। मामले में अपराध पंजीबद्ध कर पुलिस ने जांच शुरू की। इसी तरह 04 फरवरी की रात ईदगाह मस्जिद के पास स्थित चाय पान दुकान का ताला तोड़कर नकदी और अन्य सामान चोरी किए जाने की घटना सामने आई थी। दुकानदार विशाल डोले की रिपोर्ट पर कोतवाली पुलिस ने मामला दर्ज किया था।

दोनों मामलों की जांच के दौरान पुलिस ने घटनास्थलों के आसपास पूछताछ और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर संदिग्धों की पहचान की। दुकान में चोरी की

घटना में अजय सल्लाम और सूरज बरमैया के साथ एक विधि विवादित किशोर की भूमिका सामने आई। पूछताछ में आरोपियों ने चोरी की वारदात को स्वीकार करते हुए नकदी का कुछ हिस्सा खर्च कर देना बताया।

वहीं ट्रक बैटरी चोरी के मामले में ग्राम पिपरिया हथनापुर निवासी रोशन सनोडिया को पकड़ा गया। पूछताछ में आरोपी ने चोरी की बैटरी को पैराडाईस लॉन के पास झाड़ियों में छुपाकर रखना स्वीकार किया जिसके बाद बैटरी बरामद की गई।

पुलिस ने दोनों मामलों में चोरी गया सामान बरामद कर आरोपियों को न्यायालय में पेश किया। न्यायालय के आदेश पर एक आरोपी को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है जबकि अन्य के खिलाफ वैधानिक प्रक्रिया जारी है। कार्रवाई में कोतवाली थाना पुलिस टीम की भूमिका रही।

जिला अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए 'अन्न दान' सेवा

सिवनी नवभारत। कोहका फाउंडेशन द्वारा इंदिरा गांधी जिला अस्पताल में मरीजों के परिजनों के लिए नि:शुल्क भोजन सेवा 'अन्न दान' निरंतर एवं व्यवस्थित रूप से संचालित की जा रही है।

सिवनी एक आदिवासी बहुल जिला है, जहां बड़ी संख्या में मरीज दूरदराज एवं वनांचल क्षेत्रों से उपचार के लिए जिला अस्पताल पहुंचते हैं। अस्पताल में भर्ती मरीजों के साथ आए परिजन कई दिनों तक अस्पताल परिसर में ही रहकर उनकी देखभाल करते हैं। आर्थिक रूप से कमजोर होने के कारण इन परिजनों के लिए नियमित, स्वच्छ और पौष्टिक भोजन की व्यवस्था कर पाना अत्यंत कठिन हो जाता है। कई बार परिजन भोजन छोड़कर केवल

मरीज की सेवा में लगे रहते हैं।

इसी मानवीय आवश्यकता को देखते हुए कोहका फाउंडेशन ने 6 अप्रैल 2023 को 'अन्न दान' पहल की शुरुआत की। यह सेवा सप्ताह के सातों दिन, पूरे वर्ष संचालित होती है। प्रारंभ में जहां प्रतिदिन लगभग 150 परिजनों को भोजन उपलब्ध कराया जाता था, वहीं वर्तमान में यह संख्या बढ़कर 300 से अधिक लोगों तक पहुंच चुकी है।

यह भोजन सेवा अस्पताल परिसर में रहने वाले परिजनों को न केवल पोषण प्रदान करती है, बल्कि उन्हें मानसिक संबल और सम्मान का अनुभव भी कराती है। 'अन्न दान' पहल ने अस्पताल में उपचार के दौरान मानवीय सहयोग का एक सशक्त उदाहरण प्रस्तुत किया है।

कोहका फाउंडेशन के संस्थापक एवं ट्रस्टी संजय नागर ने कहा, इलाज के कठिन समय में मरीजों के साथ आए परिजनों को अक्सर भोजन जैसी बुनियादी आवश्यकता से भी समझौता करना पड़ता है। 'अन्न दान' के माध्यम से हमारा प्रयास है कि कोई भी परिजन भूखा न रहे और उन्हें स्वच्छ, पौष्टिक एवं सम्मानजनक भोजन उपलब्ध हो सके। यह सेवा केवल भोजन नहीं, बल्कि संवेदना और सहयोग का माध्यम है।

आयोजन | अशोक एण्ड अशोक अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता का शुभारंभ, अटगामा (उ.प्र.) 7-3 से विजयी

सूफियाना- टीकमगढ़ मुकाबला बराबरी पर, निर्णय शूटआउट से

सिवनी नवभारत। यंग स्टार क्लब, सिवनी के तत्वावधान में स्वर्गीय श्री सौभाग्यचंद मालू की स्मृति में आयोजित अशोक एण्ड अशोक अखिल भारतीय हॉकी प्रतियोगिता का भव्य शुभारंभ दिनांक 07 फरवरी 2026 को पुलिस ग्राउंड, सिवनी में संपन्न हुआ।

उद्घाटन समारोह के मुख्य अतिथि सुनील कुमार मेहता (पुलिस अधीक्षक, सिवनी) रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य (भाजपा) सुजीत जैन ने की। विशेष अतिथि के रूप में वन मंडल अधिकारी उत्तर सिवनी महेंद्र उइके तथा पूर्व ओलंपियन, अर्जुन अवार्ड से सम्मानित एवं मेजर ध्यानचंद लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड से अलंकृत

अशोक ध्यानचंद उपस्थित रहे।

अतिथियों ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया। अपने संबोधन में उन्होंने खिलाड़ियों को अनुशासन, समर्पण एवं खेल भावना के साथ उत्कृष्ट प्रदर्शन हेतु प्रेरित किया। समारोह में विभिन्न राज्यों से आई टीमों, खेल प्रेमियों एवं गणमान्य नागरिकों की उल्लेखनीय उपस्थिति रही।

प्रतियोगिता के अंतर्गत खेले गए प्रथम मुकाबले में अटगामा (उत्तर प्रदेश) की टीम ने आक्रामक खेल का प्रदर्शन करते हुए बरेली हॉकी को 7-3 से पराजित किया। मैच की शुरुआत से ही अटगामा ने बढ़त बनाए रखी और निर्णायक बढ़त के साथ मुकाबला अपने नाम किया।

सूफियाना टीकमगढ़ मुकाबला 4-4 से बराबरी पर, निर्णय शूटआउट से हुआ। द्वितीय मुकाबला सूफियाना क्लब अमरावती एवं टीकमगढ़ हॉकी के मध्य अत्यंत रोमांचक रहा। निर्धारित समय की समाप्ति तक दोनों टीमें 4-4 की बराबरी पर रहीं। अब इस मुकाबले का अंतिम निर्णय दिनांक 08 फरवरी 2026 को प्रात: 8:30 बजे शूटआउट के माध्यम से किया जाएगा।

प्रथम मैच- श्री राहुल बर्मन (उमरिया) एवं श्री तरुण नामदेव (धमौ) **द्वितीय मैच**- सुश्री रुचिका वानखेड़े (सिवनी) एवं श्री राजू कुमार (पटना, बिहार)

प्रतियोगिता के अंतर्गत दिनांक 08 फरवरी 2026 को दो अन्य मुकाबले दोपहर 2:00 बजे से आयोजित किए जाएंगे। आयोजन समिति ने खेल प्रेमियों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करने की अपील की है।

तीन दिवसीय वेदांत महोत्सव का हुआ समापन

सिवनी नवभारत। गत दिवस तीन दिवसीय वेदांत महोत्सव क संस्कार धानी जबलपुर महाकौशल प्रांत के ग्वारीघाट घाट मे संपन्न हुआ। इस अवसर पर गोरखपुर जबलपुर एस. डी. ओ. पी. महादेव नागोतिया ने वेदांत महोत्सव के माध्यम से बच्चों को संस्कार ,शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति लगाव और प्रतिभा क समझकर उन्हें इनसे जोड़कर जीवन को उन्नयन कि पहल क जो अभियान प्रारंभ किया उसकी सराहना कि गई इस दौरान उन्होंने बालक वेद कश्यप के साथ पौधरोपण पूजन कर स्थापित किया। उलेखनीय हे महाकौशल प्रांत के सिवनी मे वेदांत महोत्सव क शुभारंभ योग सम्राट आचार्य पं.महेंद्र मिश्र ने योग भवन ,सिवनी किया इस दौरान बच्चों को संस्कार ,शिक्षा और स्वास्थ्य के प्रति अभिभावक ने उन्हें जोड़ने क प्रयास किया और इसी कर्म मे ग्वारीघाट घाट पर माँ नर्मदा कि पूजन अर्चना

,दीपदान और मछली को भोजन अर्पण ,महाप्रसाद वितरण किया गया साथ हि रामपुर मे नवनिर्मित शिवालय मे ज्योतिलिंग कि स्थापना क अवसर मिला। इस तीन दिवसीय वेदांत महोत्सव के संयोजक शुभांशी कुशवाहा ,व्यवस्थापक पूजा कश्यप ,मुस्कान विश्वकर्मा, विजयश्री उके ,स्वाति कुशवाहा ,सिया काछी ,कमानी ठाकुर ,शिवानी ठाकुर ,मंजू विश्वकर्मा ,अर्चना काछी ,कविता मेहरा ,ब्रजेश मौर्य ,माया करोसिया ,जगदीश विश्वकर्मा ,सोनू काछी ,राजा विश्वकर्मा ,अंश पांडे ,अज्जू ठाकुर ,प्रमोद जेन ,मिलन पटेल ,मोहन सिंह कहार ,लीला बती ,मीरा बाई ,कविता महरा ,अन्य नागरिक उपस्थित थे ।

आवश्यकता हैं
दुकान में काम करने हेतु लड़के लड़कियों की आवश्यकता हैं, ड्रायव्हर 2, (सैलरी 10 से 20 हजार)
समय : सुबह 10 से रात 8, बजे तक
संपर्क :- नारायणी सेल्स, साई हॉटेल के पीछे, तवकल लेआऊट वाडी नागपुर
70288 80502
86003 82146